समभाव-समदृष्टि के

सबक़

दिनांक 01 अक्टूबर 2017 - 25 मार्च 2018

एकता का प्रतीक

प्रकाशक
सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.)
"वसुन्धरा" ग्राम भूपानी–लालपुर रोड फरीदाबाद–121002 (हरियाणा)
ई–मेलः info@satyugdarshantrust.org
website: www.satyugdarshantrust.org
© सर्वाधिकार सुरक्षित सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.)
ISBN : 978-93-85423-13-0

प्रथम संस्करण
मार्च, 2018

समभाव-समदृष्टि के

सबक़

दिनांक 01 अक्टूबर 2017 - 25 मार्च 2018

सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के अनुसार

★ महामन्त्र★

साडा है सजन राम,
राम है कुल जहान

अर्थात्

ईश्वर हमारा मित्र/प्रियतम सर्वव्यापक है।
उसी को जानो,
मानो और वैसे ही
गुण अपनाओ।

शब्द है गुरु,
शरीर नहीं है।

अर्थात्

ज्ञानी को नहीं,
ज्ञान को अपनाओ ।
निमित्त में नहीं,
नित्य में श्रद्धा बढ़ाओ।

अनुक्रमणिका

क्रमांक		विवरण	पृष्ठ संख्या
	अक्टूबर 2017		
		कर्मेन्द्रियों के समुचित कार्य-5	
1.	दिः 01 का सबक़	हस्तेन्द्रिय	1
2.	दिः 08 का सबक़	आत्मनिरीक्षण	8
3.	दिः 15 का सबक़	प्रसन्नता-1	18
4.	दिः 22 का सबक़	प्रसन्नता-2	32
5.	दिः 29 का सबक़	प्रसन्नता-3	44
	नवम्बर 2017		
6.	दिः 05 का सबक़	मानसिक संतुलन/असंतुलन	62
7.	दिः 12 का सबक़	काम	74
8.	दिः 19 का सबक़	क्रोध	87
9.	दिः 26 का सबक़	लोभ-1	101
	दिसम्बर 2017		
10.	दिः 04 का सबक़	लोभ-2	114
11.	दिः 10 का सबक़	मोह	132
12.	दिः 17 का सबक़	अहंकार-1	145
13.	दिः 24 का सबक़	अहंकार-2	156
14.	दिः 31 का सबक़	आत्मनिरीक्षण	166
	जनवरी 2018		
15.	दिः 07 का सबक़	निर्विकारिता	176
16.	दिः 14 का सबक़	शुद्धता	187
17.	दिः 21 का सबक़	आत्मशुद्धि	201

अनुक्रमणिका

क्रमांक		विवरण	पृष्ठ संख्या
18.	दिः 28 का सबक़	आत्मज्ञान/आत्मबोध	219
	फरवरी 2018		
19.	दिः 04 का सबक़	आत्मनिरीक्षण	233
20.	दिः 11 का सबक़	धारण/धारणा-1	240
21.	दिः 18 का सबक़	धारण/धारणा-2	258
22.	दिः 25 का सबक़	अभ्यास	271
	मार्च 2018		
23.	दिः 04 का सबक़	वैराग्य	284
24.	दिः 11 का सबक़	अमरता-1	298
25.	दिः 18 का सबक़	अमरता-2	309
26.	दिः 25 का सबक़	आत्मनिरीक्षण	325